

## क्या आप जानते हैं...

जो बालक बचपन में खेलों में हिस्सा नहीं लेता है वह बहुत-सी जीवनोपयोगी बातों को सीखने से वंचित रह जाता है। हमारे देश में तरह-तरह के खेल खेले जाते हैं। ये हमें मिल-जुलकर स्वस्थ रहते हुए आनन्दपूर्वक जीवन जीने का तरीका सुझाते हैं। खेल को कभी भी द्वेष-भाव से नहीं खेलना चाहिए, किन्तु सामने वाले को कमजोर भी नहीं समझना चाहिए। जो जीवन की पिच पर खड़े होकर अन्त तक सफल होने की उम्मीद रखता है वही सच्चा खिलाड़ी है।

इस पाठ के माध्यम से विश्व के सबसे लोकप्रिय खेल क्रिकेट के बारे में जानकारी दी गई है। एक खिलाड़ी को अपने साथी खिलाड़ी के साथ किस तरह का व्यवहार करना चाहिए और खेल से मिलने वाली शिक्षा को किस प्रकार जीवन में आत्मसात् करना चाहिए? यह सब बातें हमें खेल के माध्यम से ही सीखने को मिलती हैं। जो खिलाड़ी अनुशासन में रहकर आत्मविश्वास के साथ खेलता है, वही श्रेष्ठ खिलाड़ी है। यही बात जीवन में भी लागू होती है। अतः व्यक्ति के सर्वांगीण विकास हेतु खेल को जीवन में अपनाना जरूरी है।



भारत में क्रिकेट के खेल का आरम्भ कब हुआ?

भारत में क्रिकेट के खेल का आरम्भ पिछली शताब्दी में हुआ। पिछले कुछ वर्षों से भारतीय क्रिकेट टीम की गिनती दुनिया की चोटी की टीमों में की जाने लगी है।



क्रिकेट की प्रत्येक टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?

यह खेल दो टीमों के बीच खेला जाता है और हर टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं। क्रिकेट के 'ग्राउण्ड' पर घास लगी होती है। पहले मैदान तैयार करने के लिए कच्चे मैदान पर नारियल या पटसन की चटाई बिछाकर उस पर कीलें ठोक दी जाती थीं लेकिन अब घास के मैदान पर ही खेल होता है। क्रिकेट की सबसे प्रमुख चीजें हैं बल्ला और गेंद। किसी भी टीम में दो तरह के खिलाड़ी होते हैं। कुछ वे जो बल्लेबाजी अच्छी कर लेते हैं और कुछ वे जो गेंदबाजी करना जानते हैं। गेंदबाज दो प्रकार के होते हैं जिन्हें फास्ट बॉलर और स्पिनर के नाम से जाना जाता है।



प्रत्येक टीम का एक खिलाड़ी विकेटकीपिंग का मोर्चा सँभालता है। किन्हीं दो टीमों के बीच मैच आरम्भ होने से पहले सिक्का उछालकर टॉस किया जाता है। विजित टीम के कप्तान को बैटिंग या फील्डिंग चुनने का अवसर दिया जाता है। फील्डिंग करने वाली टीम के सभी खिलाड़ी मैदान में आते हैं जबकि बैटिंग करने वाली टीम के केवल दो खिलाड़ी। यह खेल ओवर संख्या पर निर्धारित होता है। एक ओवर में छः गेंदें फेंकी जाती हैं।

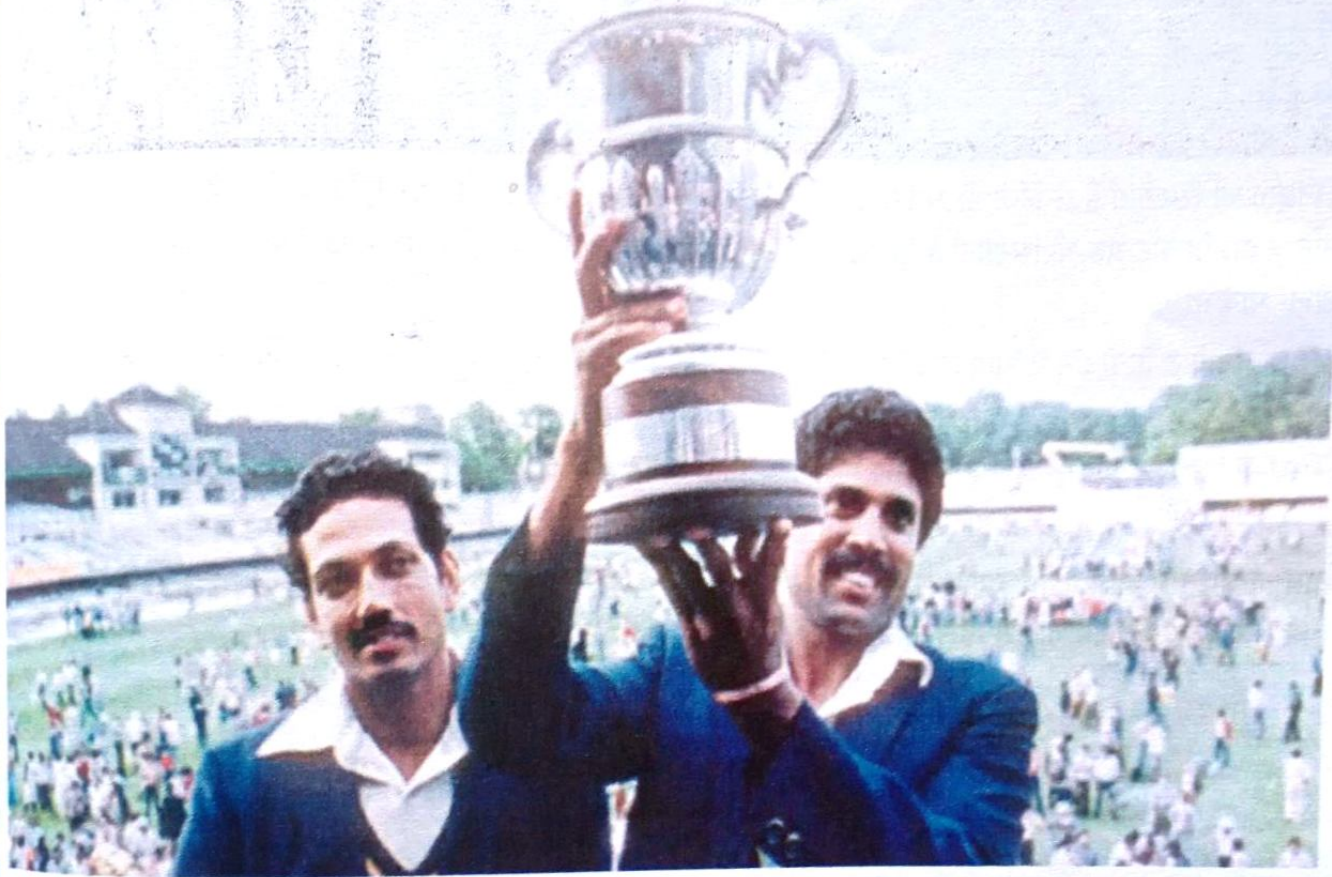


अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट के तीन रूप प्रचलित हैं। टेस्ट मैच जो पाँच दिन तक खेला जाता है, जो कभी-कभी तीन या चार दिन में भी समाप्त हो जाता है। एकदिवसीय मैच जिसमें दोनों टीमों में अधिकतम 50-50 ओवर खेल सकती हैं और टी-ट्वेण्टी, जिसमें 20-20 ओवर खेले जाते हैं।

टी-ट्वेण्टी मैच में कितने-कितने ओवर खेलने होते हैं?

टेस्ट मैच में क्रिकेट खिलाड़ी की पोशाक सफेद कमीज, सफेद पतलून, ऊन के मोटे सफेद मोजे और क्रिकेट के सफेद बूट होते हैं। इन बूटों के नीचे कीले लगी होती हैं जिससे घास के मैदान पर उनकी अच्छी पकड़ बनी रहे।

बल्लेबाज के लिए केवल तकनीक और कला का जानना ही जरूरी नहीं है, बल्कि उसमें बड़े मैचों में खेलने की क्षमता भी होनी चाहिए। उसका स्वयं पर पूरा नियन्त्रण होना चाहिए। घबराए बिना, पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलने का



अभ्यास आवश्यक है क्योंकि क्रिकेट परिश्रम, कौशल, सूझ-बूझ और दूरदर्शिता का खेल माना जाता है।

टीम के कप्तान का काम बहुत जिम्मेदारी का होता है। उसे अपनी टीम के खिलाड़ियों को उचित समय पर प्रेरित और प्रोत्साहित करना चाहिए। फ्रैंक वारेल और सर गैरी सोबर्स महान कप्तानों के ऐसे उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने समय में वेस्ट इण्डीज के खिलाड़ियों को इस तरह ढाला और संगठित किया था कि वे दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते थे।

टीम में कप्तान की क्या भूमिका होती है?

हमारे भारतीय खिलाड़ियों में 'विजडन पुरस्कार' विजेता कपिल देव को 'शताब्दी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' घोषित करते हुए कहा गया, "ऐसा सम्मान सौ वर्षों में एक बार प्राप्त होता है।" सचिन तेन्दुलकर ने क्रिकेट के इतिहास में इतने कीर्तिमान स्थापित किए हैं कि इस सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के कीर्तिमानों पर सम्पूर्ण भारत को गर्व है। उनकी उपलब्धियों के कारण उन्हें 'भारतरत्न' सम्मान दिया गया।



5th 3

क्रिकेट के खेल से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। यह हमको अनुशासन और 'टीम-भावना' सिखाता है। यह हमें



विनम्रता भी सिखाता है क्योंकि हो सकता है कि एक दिन आप बहुत सफल हों और दूसरे दिन आपका खेल बिलकुल ही घटिया हो। क्रिकेट यह भी सिखाता है कि अपने प्रतिद्वन्दी को कभी कमजोर नहीं समझना चाहिए। इसी को कहते हैं— सही खेल-भावना।



क्रिकेट के मैदान में आपको जो सीख मिलती है, वह आगे चलकर जीवन में भी बहुत उपयोगी सिद्ध होती है। 2011 में भारतीय टीम एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय विश्वकप में और उससे पहले टी-ट्वेण्टी-20 प्रतियोगिता में भी विश्वकप जीतने में कामयाब रही थी। इससे पहले भारतीय टीम ने 1983 में भी एकदिवसीय विश्वकप जीता था।

2011 के विश्वकप में कौन-सी टीम विजयी रही?

अब तो भारत में लीग मैचों (आई०पी०एल०) का नया युग प्रारम्भ हो चुका है जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी भी हिस्सा लेते हैं। इस नए युग में आप भी इस खेल का आनन्द लेते रहें और खेलते रहें।

## शब्द-अर्थ

चोटी = श्रेष्ठ, शिखर; प्रवृत्ति = मन का किसी ओर झुकाव, आदत; अभ्यास = किसी काम को बार-बार करना (practice); कौशल = योग्यता; दूरदर्शिता = दूर की बात सोचने का गुण (farsightedness); प्रेरित = प्रेरणा प्राप्त; प्रोत्साहित = उत्साह बढ़ाना (to encourage); अनुशासन = नियम-पालन; विनम्रता = विनय, नरमी; प्रतिद्वन्दी = बराबरी का, लड़ने वाला (contestant, rival)।

मुहावरा-

चोटी में गिना जाता है - सफलता



आओ, अभ्यास करें  
Let's Do Exercise

आपकी कलम से



Questions relating Text

निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण करते हुए पुनः लिखिए-

शताब्दी	ग्राउण्ड	फील्डिंग	अन्तर्राष्ट्रीय	ट्वेण्टी	प्रवृत्ति
.....	.....	.....	.....	.....	.....
दूरदर्शिता	प्रोत्साहित	विजडन पुरस्कार	सर्वश्रेष्ठ	कीर्तिमान	प्रतिद्वन्दी
.....	.....	.....	.....	.....	.....

श्रुतलेखन/Dictation



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

- टेस्ट मैच के खिलाड़ी की पोशाक कैसी होती है?
- एक सफल बल्लेबाज में क्या-क्या गुण होते हैं?
- 'टीम-भावना' और 'खेल-भावना' का क्या अर्थ है? विस्तार से लिखिए।
- टेस्ट मैच और टी-ट्वेण्टी खेलों में क्या अन्तर है?
- क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को क्या-क्या करना होता है?
- सचिन तेन्दुलकर का नाम सुनते ही आपको किस खेल की याद आती है?
- बॉल के प्रयोग से कौन-कौन से खेल खेले जाते हैं?
- 'हमें खेल को खेल-भावना से खेलना चाहिए।' इस कथन पर अपने विचार लिखिए। **HOIS**

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- फ्रैंक वारेल और सर गैरी सोबर्स महान ..... थे।
- कपिल देव को ..... घोषित किया गया।
- सचिन तेन्दुलकर ने क्रिकेट में कई ..... स्थापित किए हैं।
- क्रिकेट हमको ..... सिखाता है।

सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए-

- (क) 'शताब्दी का सर्वश्रेष्ठ' खिलाड़ी किसे घोषित किया गया?
- (i) सचिन तेन्दुलकर  (ii) महेन्द्र सिंह धोनी
- (iii) कपिल देव  (iv) सुनील गावस्कर